
Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
mg
11th History
Chapter-3 | Part-4
यायावर साम्राज्य
चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

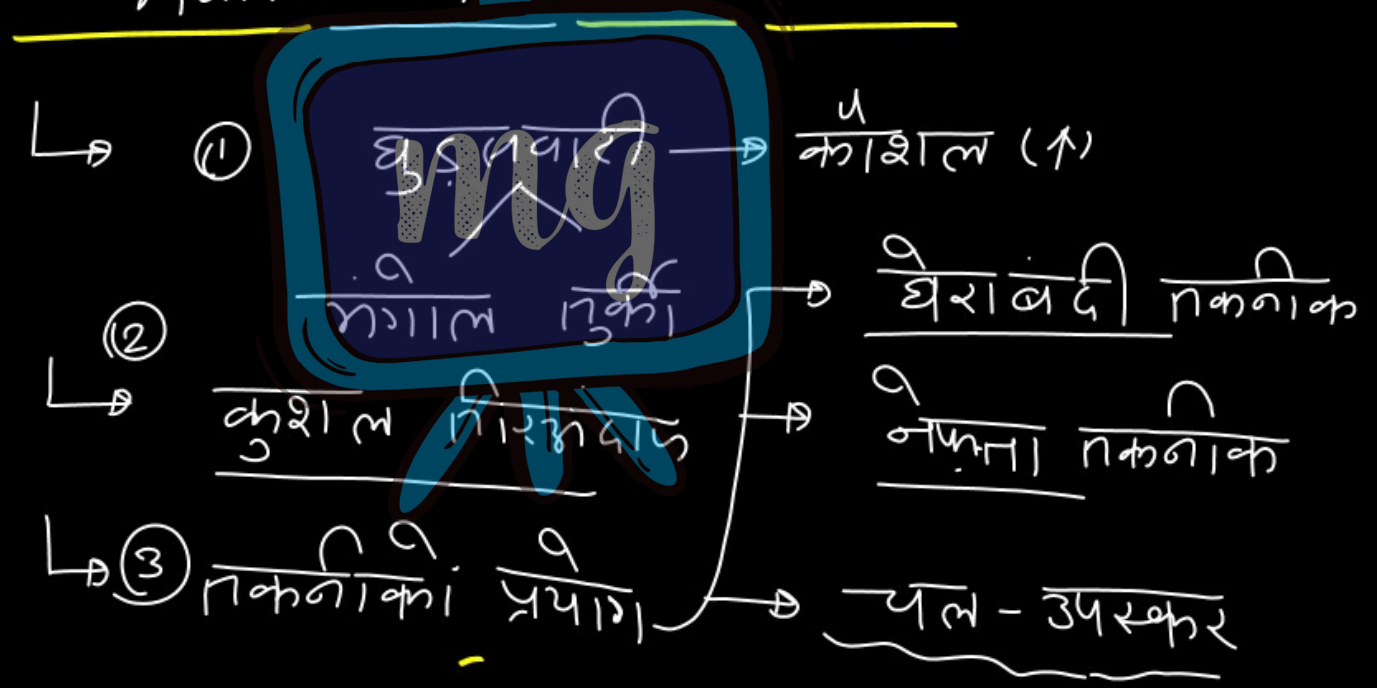
1 चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंगोलों की सफलता के कारण



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

घिसाबंदी तकनीक

चल-उपस्कर

नेफ़ता

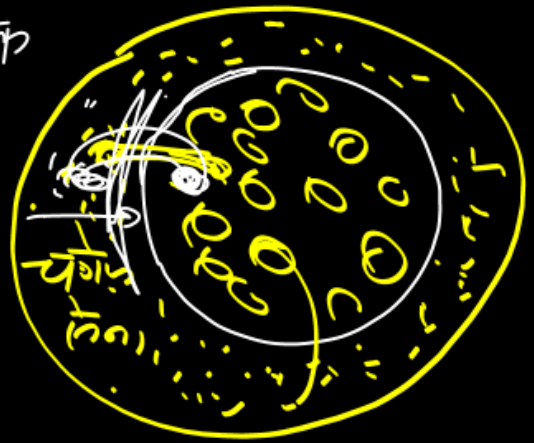
चलनशील पदार्थ

कंतापुलट तकनीक

गुलाल

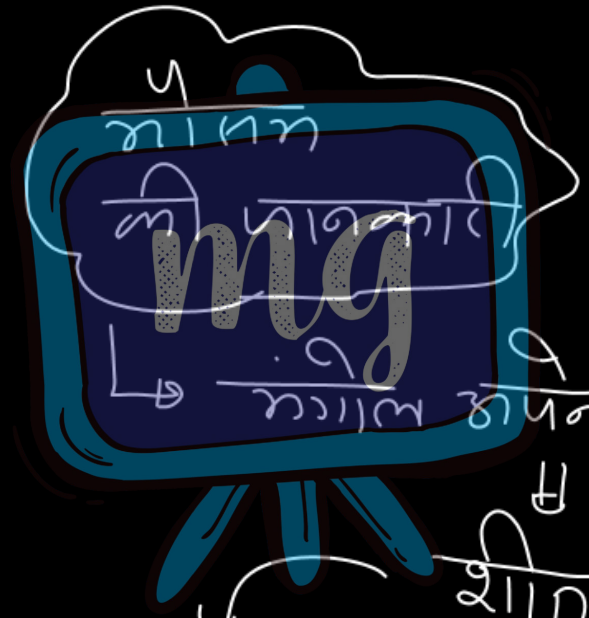
पेंगानल

गिर



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(4) भारत की जानकारी
↳ मंगल ऑर्बिटर अभियान
↳ चीन जबतु
नदियां
प्रयोग
को
मार्ग

(5) शासकों की रणनीतियां

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



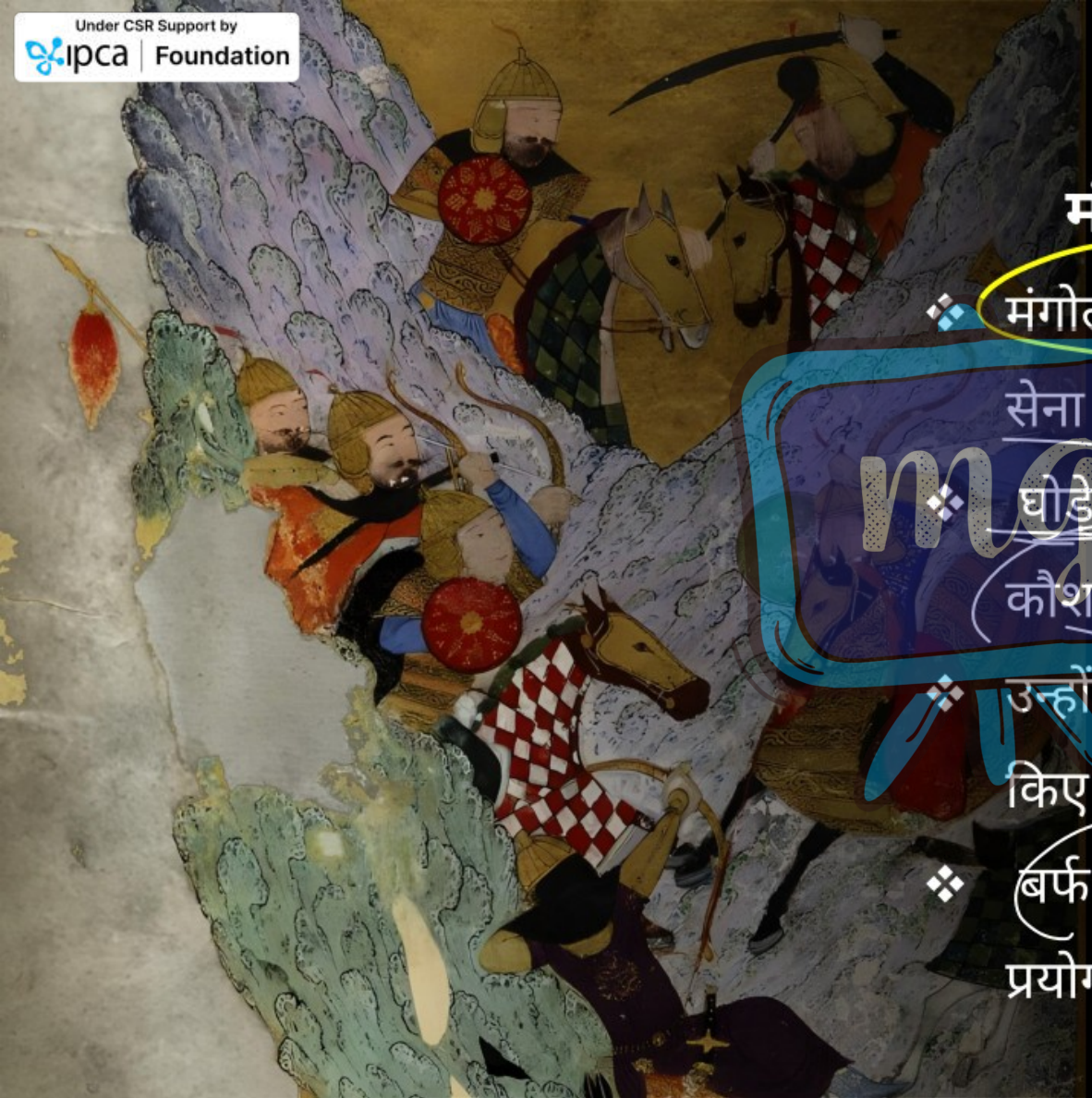
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंगोलों की सफलता के कारण

- मंगोलों और तुर्कों के घुड़सवारी कौशल ने उसकी सेना को गति प्रदान की थी।
- घोड़े पर सवार होकर उनकी तीरंदाज़ी का कौशल अद्भुत था।
- उन्होंने घोर शीत-ऋतु में युद्ध-अभियान प्रारंभ किए।
- बर्फ से जमी हुई नदियों का राजमार्गों की तरह प्रयोग किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चंगेज़ खान ने घेराबंदी यंत्र और नेफ्था बमबारी के महत्त्व को जाना।
- उसके इंजीनियरों ने हलके चल-उपस्कर का निर्माण किया जिसके युद्ध में घातक प्रभाव होते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

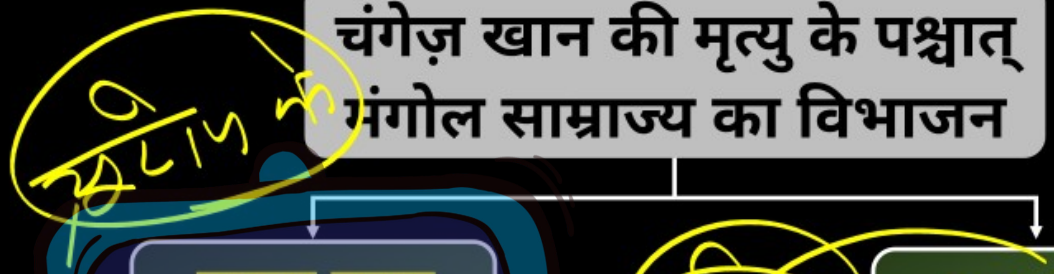
चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल

1227–41	चंगेज़ खान के पुत्र ओगोदेई का शासन-काल
1236–42	बाटू के अधीन रूस, हंगरी, पोलैंड और आस्ट्रिया पर आक्रमण। बाटू, चंगेज़ खान के सबसे बड़े पुत्र जोची का पुत्र था।
1246–49	ओगोदेई के पुत्र गुयूक का काल
1251–60	मोंके, चंगेज़ खान के पौत्र और तुलू के पुत्र का काल
1257–67	बर्के का राज्यकाल।
1260	पेकिंग में 'महान खान' के रूप में कुबलई खान का राज्यारोहण।
1370–1405	तैमूर का शासन। बरलास तुर्क होते हुए उसने चघताई वंश के आधार पर अपने को चंगेज़ खान का वंशज बताया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





चंगेज़ खान की मृत्यु के पश्चात् मंगोल साम्राज्य का विभाजन

पहला चरण (1236-1242)

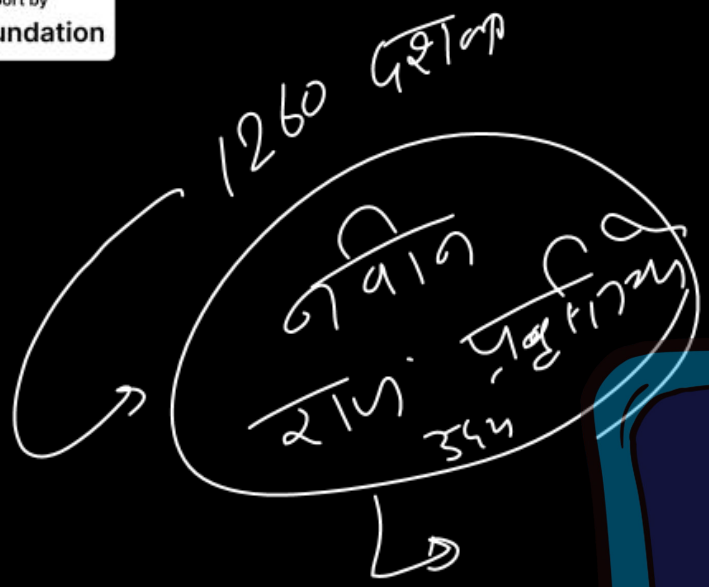
- रूस के स्टेपी-क्षेत्र,
- बुलघार, कीव, पोलैंड तथा हंगरी में सफलता प्राप्त

दूसरा चरण (1255–1300)

- समस्त चीन (सन् 1279),
- ईरान, इराक और सीरिया पर विजय प्राप्त

Under CSR Support by
ipca | Foundation

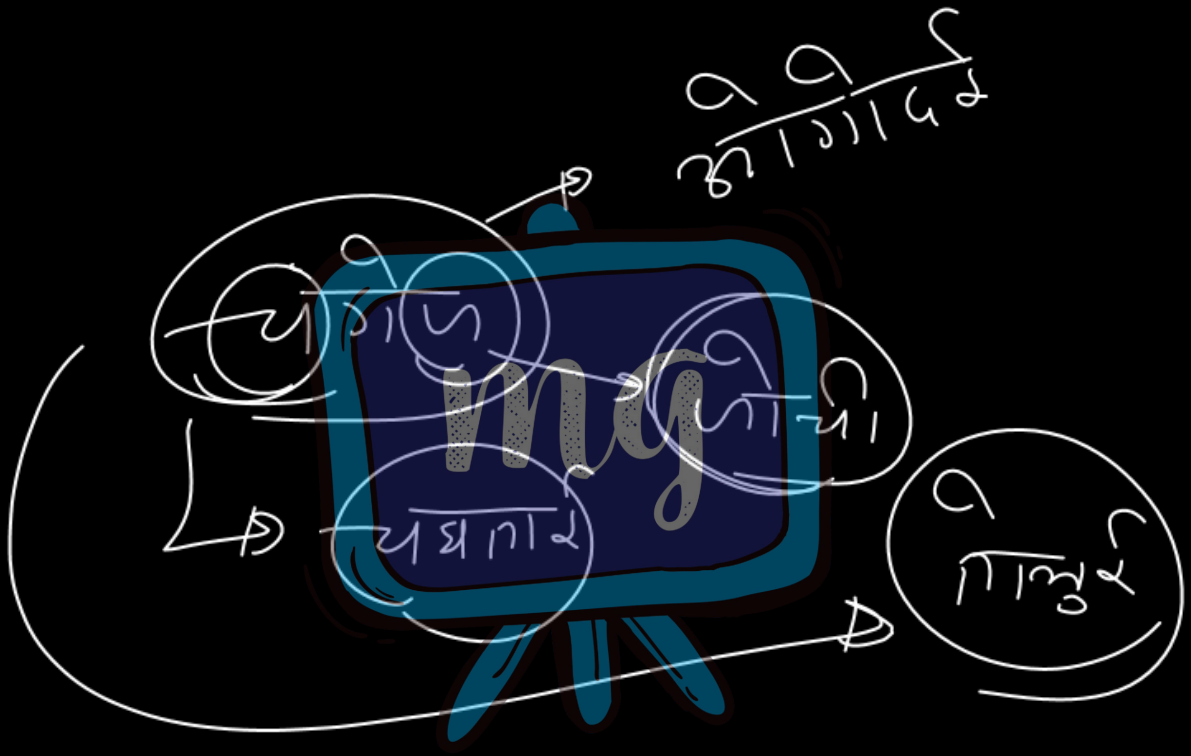
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मिस्त्र की सेनाओं द्वारा पराजित होने से नवीन राजनीतिक प्रवृत्तियों के उदय होने के संकेत मिले।
- इस प्रवृत्ति के दो पहलू थे।
- पहला, मंगोल परिवार में उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक राजनीति थी।
- प्रथम दो पीढ़ियाँ जोची और ओगोदेई के उत्तराधिकारी महान खान के राज्य पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए एकजुट हो गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- दूसरा, जब चंगेज़ खान के वंश की तोलूयिद शाखा के उत्तराधिकारियों ने जोची और ओगोदेई वंशों को कमजोर कर दिया।
- मोंके ने राज्याभिषेक के उपरांत 1250 ई. के दशक में ईरान में शक्तिशाली अभियान किए गए।
- 1260 ई. के दशक में तोलूई के वंशजों ने चीन में अपने हितों की वृद्धि की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परिणामस्वरूप मिस्त्र की सेना का सामना करने के लिए मंगोलों ने एक छोटी, अपर्याप्त सेना भेजी।
- मंगोलों की पराजय और तोलूई परिवार की चीन के प्रति निरंतर बढ़ती हुई रुचि से उनका पश्चिम की ओर विस्तार रुक गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक, राजनैतिक और सैनिक संगठन

- मंगोलों में प्रत्येक तंदुरुस्त वयस्क सदस्य हथियारबंद होते थे।
- जब कभी आवश्यकता होती थी तो इन्हीं लोगों से सशस्त्र सेना बनती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- विभिन्न मंगोल जनजातियों के एकीकरण से चंगेज खान की सेना एक विशाल विषमजातीय संगठन में परिवर्तित हो गई।
- इसमें तुर्कीमूल के उइगुर समुदाय के लोग सम्मिलित थे।
- केराइटों लोग भी इसमें सम्मिलित थे।
- उसकी सेना दशमलव पद्धति के अनुसार गठित की गई।
- जो दस, सौ, हज़ार और दस हज़ार सैनिकों की इकाई में विभाजित थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सैनिकों की सबसे बड़ी इकाई लगभग दस हज़ार सैनिकों (तुमन) की थी।
- जिसमें अनेक कबीलों और कुलों के लोग शामिल होते थे।
- विभिन्न वंशों तथा कुलों को एकीकृत कर चंगेज़ खान ने इनको एक नवीन पहचान प्रदान की।
- नयी सैनिक टुकड़ियाँ उसके चार पुत्रों के अधीन थीं।

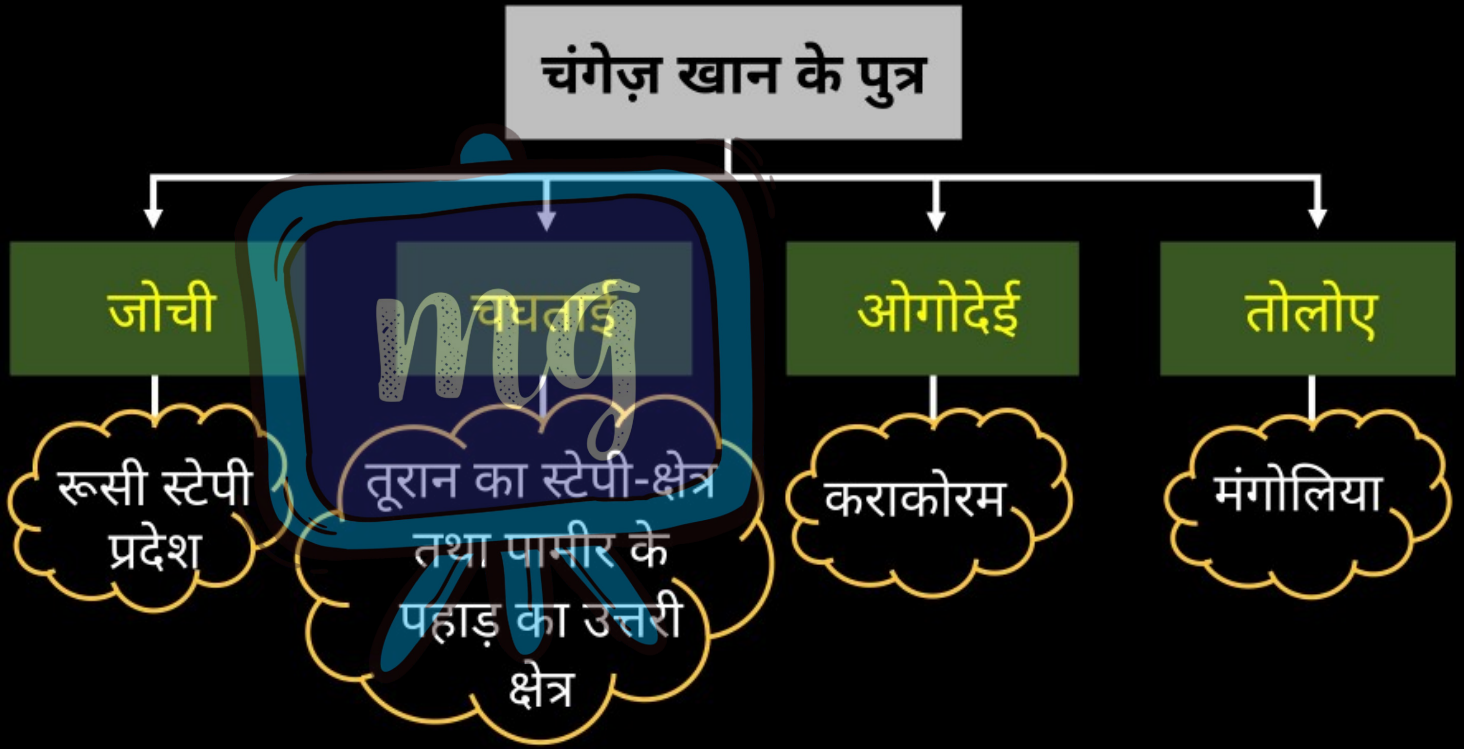
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह टुकड़ियाँ विशेष रूप से चयनित कप्तानों के अधीन कार्य करती थी इन्हें नोयान कहा जाता था।
- चंगेज़ खान ने अपने नव-विजित लोगों पर शासन करने का उत्तरदायित्व अपने चार पुत्रों को सौंप दिया।
- इससे उलुस का गठन हुआ।
- उसके सबसे ज्येष्ठ पुत्र जोची को रूसी स्टेपी प्रदेश प्राप्त हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- चंगेज़ खान ने विभिन्न राजकुमारों के लिए अलग-अलग सैन्य-टुकड़ियाँ (तामा) निर्धारित की।
- किरिलताई में राज्य के भविष्य के निर्णय, अभियानों, लूट के माल का बँटवारा, चरागाह भूमि और उत्तराधिकार आदि के समस्त निर्णय, सामूहिक रूप से लिए जाते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चंगेज़ खान ने एक फुर्तीली हरकारा पद्धति अपना रखी थी।
- जिससे राज्य के दूरदराज के स्थानों में परस्पर सम्पर्क रखा जाता था।
- सैनिक चौकियों में घुड़सवार संदेशवाहक तैनात रहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस संचार पद्धति की व्यवस्था करने के लिए मंगोल यायावर अपने पशु-समूहों से दसवाँ हिस्सा प्रदान करते थे इसे कुबकुर कर कहते थे।
- तेरहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में हुए युद्धों में अनेक नगर नष्ट कर दिए गए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ईरान के शुष्क पठार में भूमिगत नहरों (कनात) का नियमित रूप से मरम्मत कार्य संभव नहीं हो पाया।
- नहरों की मरम्मत न होने से मरुस्थल उस ओर फैलने लगा।



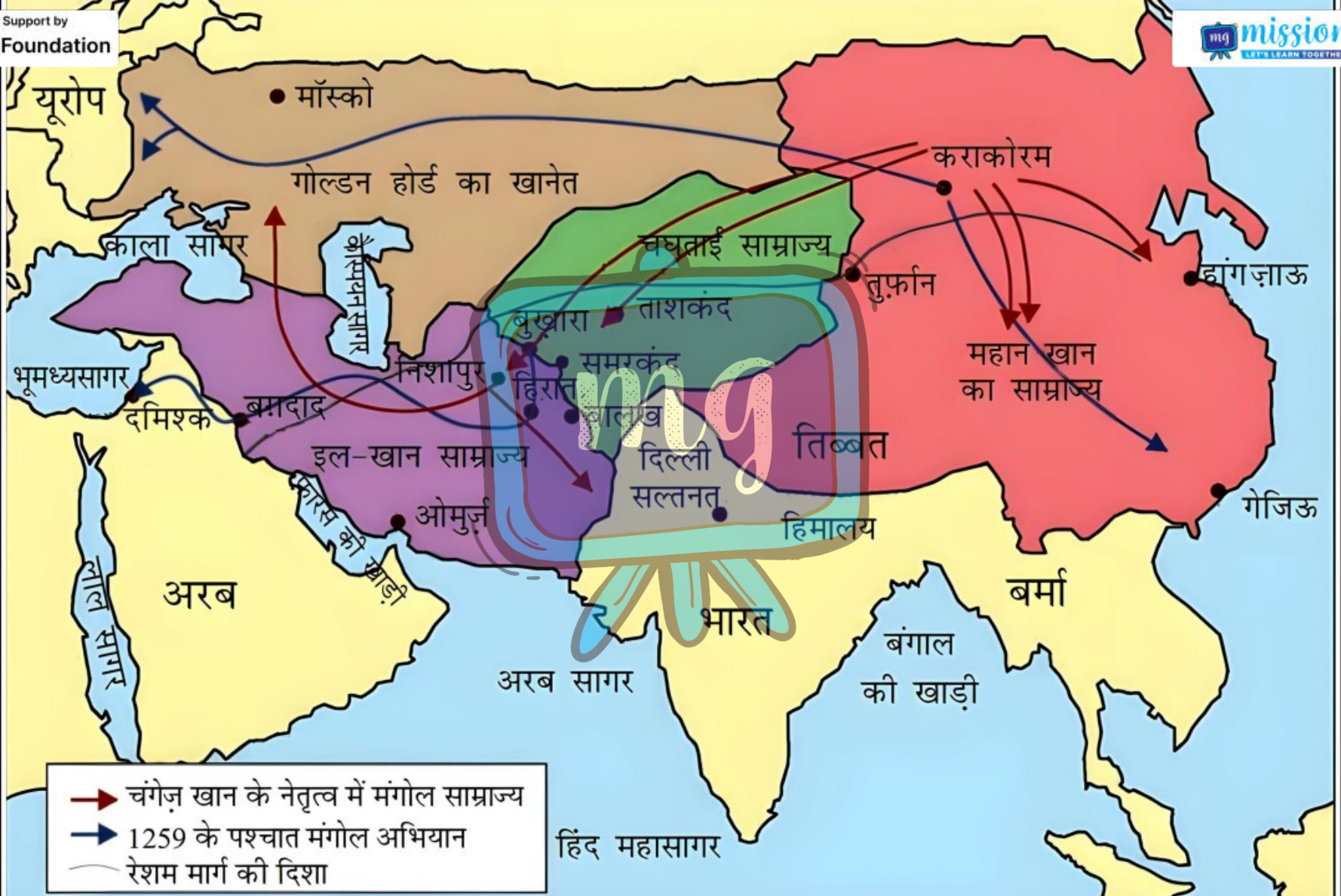
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मंगोल विजय के बाद उत्पन्न शांति से व्यापारिक संबंध परिपक्व हुए।
- मंगोलों की देखरेख में रेशम मार्ग पर व्यापार अपने शिखर पर पहुँचा।
- मंगोल शासन में सामंजस्य स्थापित करने के लिए संचार और यात्रियों के लिए सुलभ यात्रा आवश्यक थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सुरक्षित यात्रा के लिए यात्रियों को पास जारी किए जाते थे।
- जिसे फ़ारसी में पैज़ा और मंगोल भाषा में जेरेज़ जारी किए जाते थे।
- इस सुविधा के लिए व्यापारी बाज नामक कर अदा करते थे।
- 1270 के दशक के आते-आते शुंग वंश की पराजय के उपरांत दक्षिण चीन को मंगोल साम्राज्य में सम्मिलित कर लिया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तब चंगेज़ खान का पोता कुबलई खान (मृत्यु 1294) कृषकों और नगरों के रक्षक के रूप में उभरा।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- गज़न खान (मृत्यु 1304) चंगेज़ खान के सबसे छोटे पुत्र तोलूई का वंशज था।
- गज़न खान (1295-1304) पहला इल-खानी शासक था जिसने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण किया।
- मंगोलों ने विजित राज्यों से नागरिक प्रशासकों को अपने यहाँ भर्ती कर लिया था।
- इन्होंने दूरस्थ राज्यों को संघटित करने में भी मदद की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यास

- डेविड आयलॉन के शोध में यास पर कार्य हुआ।
- यास वह नियम संहिता थी, जिसके बारे में कहा जाता है कि चंगेज़ खान ने 1206 के किरिलताई में लागू की थी।
- प्रारंभिक स्वरूप में यास को यसाक लिखा जाता था जिसका अर्थ था विधि, आज्ञप्ति व आदेश।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उसका संबंध प्रशासनिक विनियमों से है; जैसे आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।
- इसका मतलब था चंगेज़ खान की विधि-संहिता।
- उसे चंगेज खान की विधि-संहिता कहकर मंगोलों ने भी अपने एक स्मृतिकार के होने का दावा किया।
- जिसकी प्रामाणिक संहिता प्रजा पर लागू की जा सकती थी।